Client CALCUTTA CHAMBER OF COMME

Publication SANMARG

Event SCOPE OF INDUSTRY IN J&K

Date 23RD DECEMBER, 2023

卐 ॥ श्री हरिः ॥ 卐

सन्मार्ग

॥ नमोऽस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै नमोऽस्तुरुद्रेन्द्रयमानिलेभ्यो नमोऽस्तुचन्द्रार्कमरुद्गणेभ्यः॥

'व्यवसाय के लिए बंगाल से ज्यादा सुरक्षित है कश्मीर'

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने कहा

सन्मार्ग संवाददाता

कोलकाता : जम्मू- कश्मीर में व्यवसाय और निवेश की अपार संभावनाएं हैं। जम्मू-कश्मीर में निवेश करना उनके लिए सही विकल्प है जो विकास चाहते हैं। जम्मू- कश्मीर के विकास से देश के विकास में सहायता होगी। व्यवसाय के लिए बंगाल से ज्यादा सुरक्षित है कश्मीर। उक्त बातें जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल **मनोज सिन्हा** ने कलकत्ता चेंबर ऑफ कामर्स द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम 'जम्मू-कश्मीर में निवेश की संभावनाएं' के दौरान कहीं। हालांकि, आखिरी विचार रखने के बाद उप राज्यपाल ने यह साफ कर दिया कि उनके इस बयान को राजनितीक रूप में न लिया जाए। मनोज सिन्हा ने कहा कि बंगाल और कश्मीर को समृद्ध सांस्कृतिक संपदा, ज्ञान और खान-पान के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। उपराज्यपाल ने सभागार में मौजूद निवेशकों को जम्मू- कश्मीर में ले जाने वाले श्रमिकों को पूर्ण सुरक्षा दिए जाने को लेकर आश्वस्त करते हुए कहा कि घाटी में कारखानों के निर्माण में न केवल जमीन की खरीदारी की प्रक्रिया आसान की गई है। बल्कि घाटी के लोग स्वत: निवेशकों की सहायता करेंगे। इस अवसर पर जम्मू- कश्मीर के उद्योग वाणिज्य विभाग के आयुक्त व सचिव **विक्रमजीत सिंह** ने बताया कि वर्ष 2019 तक संगठित क्षेत्र में 15 हजार करोड़ रुपये निवेश किए गए। अप्रैल 2021 तक 90 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव हासिल हुए। इस दौरान 72 हजार से अधिक रोजगार का सृजन किया गया। इस अवसर पर कलकत्ता चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष **हरि शंकर हलवासिया** पूर्व अध्यक्ष **सुशील अग्रवाल**, संस्था के इंडस्ट्री, ट्रेड और एमएसएमई विभाग के पूर्व अध्यक्ष और चेयरमैन **राज कुमार छाज्जर**, चेंबर के उपाध्यक्ष **अमित शर्मा** के साथ ही कई गण्यमान्य अतिथि उपस्थित थे।